कोटद्वार, बुधवार
11 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 258 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

खाई में गिरी यूटिलिटी, तीन महिलाओं की मौत, पांच घायल

विकासनगर। जौनसार के बेराटखाई–गांगरौ मोटर मार्ग पर मंगलवार सुबह यूटिलिटी के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं ने अस्पताल ले जाते हुए रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उप जिला चिकित्सालय विकासनगर में प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

टेंट हाउस में आग से मचा हड़कंप, 30 हजार लीटर पानी की बौछार से बुझाई गईं लपटें

देहरादून। क्लेमनटाउन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में मंगलवार आधी रात एक टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि इसकी उंची लपटें आसपास के रिहायशी मकानों तक पहुंची। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और करीब 30 हजार लीटर पानी की मदद से भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रताप मार्ग स्थित नरेन्द्र टेंट हाउस (मालिक नरेन्द्र कुमार) के खाली प्लॉट में टेंट और शामियाने का भारी मात्रा में सामान रखा हुआ था। अचानक वहां आग सुलग उठी। सिटी कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना हुई।

फायर स्टेशन से मिली जानकारी के मुताबिक टेंट हाउस में लकड़ी की फोल्डिंग टेबल, बर्तन, भट्टियां, मेट और रजाई–गद्दे भारी मात्रा में रखे थे। इन ज्वलनशील सामानों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें बगल के मकानों की तरफ बढ़ने लगीं, जिससे घरों में सो रहे लोग दहशत में बाहर निकल आए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अभिनव त्यागी ने बताया कि देर रात जैसे ही आग की सूचना मिली, हमारी यूनिट तुरंत मौके पर पहुँच गई थी। आग टेंट के सामान में होने के कारण तेजी से फैली थी। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास के घरों तक पहुँचने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, नुकसान का आकलन किया जा रहा है। छह गाड़ियों और रिले पंपिंग का सहारा आग की भयावहता को देखते हुए अन्य फायर स्टेशनों से भी अतिरिक्त गाड़ियां बुलाई गईं।

11.20 लाख की ठगी

देहरादून। शेयर बाजार में निवेश के झांसे में साइबर ठगों ने रिटायर्ड कर्नल को अपना शिकार बनाया। उनसे करीब 11.20 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की साइबर सेल में दी शिकायत पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिमला बाईपास निवासी कर्नल सतेंद्र कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उन्हें वृतिका आनंद नाम की एक महिला ने संपर्क किया था। उसने खुद को वेंचुरा सिक्योरिटीज के सीईओ का असिस्टेंट बताया और शेयर ट्रेडिंग के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया। ग्रुप में तथाकथित एक्सपर्ट शेयर बाजार और आईपीओ में भारी मुनाफे का दावा करते। जालसाजों ने कर्नल सिंह को अपना बताया एप डाउनलोड कराया। विश्वास जीतने के लिए ठगों ने एक चाल चली। शुरुआती निवेश के बाद जब कर्नल ने जांचने के लिए एप से 5,000 और 100 रुपये की निकासी की तो वह पैसा तुरंत उनके बैंक खाते में आ गया। इससे उन्हें लगा कि एप असली है। इसके बाद उन्होंने मुनाफे के चक्कर में अलग–अलग तारीखों में करीब 12.75 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में जमा कर दिए। एप पर कर्नल सिंह के खाते में मुनाफे के साथ कुल रकम करीब 64.95 लाख रुपये दिखने लगी। जब उन्होंने इसमें से 15 लाख रुपये निकालने की कोशिश की तो रिक्वेस्ट खारिज कर दी गई। ठगों ने शर्त रखी कि 200% मुनाफा होने के कारण पहले उन्हें 20% सर्विस फीस (करीब 11 लाख रुपये) अलग से जमा करनी होगी। कर्नल ने मुनाफे में से ही फीस काटने का आग्रह किया, लेकिन ठग नहीं माने और बाद में उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप से हटा दिया गया। इसके बाद ठगी का पता लगने पर उन्होंने शिकायत की।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

राहुल गांधी को छोड़ 118 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली ,संसद के बजट सत्र में आए दिन हंगामा देखने को मिल रहा है। इसी बीच, अब मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष ने स्पीकर पर सदन के कामकाज में पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है।

विपक्ष के सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लोकसभा महासचिव को रूल 94(सी) के तहत अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा है। इस नोटिस पर विपक्ष के 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह प्रस्ताव लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने पेश किया है, जिसमें संविधान के आर्टिकल 94(सी) का इस्तेमाल करते हुए स्पीकर को हटाने का प्रावधान है। नोटिस में विपक्ष ने स्पीकर पर सदन की कार्यवाही खुलेआम पक्षपातपूर्ण तरीके से चलाने और विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं को बार–बार बोलने का मौका न देने का आरोप लगाया। अपने आरोप को साबित करने के लिए प्रस्ताव में कई उदाहरणों का हवाला दिया गया। इसमें कहा गया कि 2 फरवरी को राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपना संबोधन पूरा नहीं करने दिया गया। 3 फरवरी को आठ विपक्षी सांसदों को बजट सेशन के बाकी समय के लिए मनमाने ढंग से सस्पेंड कर दिया गया, जिसके बारे में नोटिस में दावा किया गया कि यह सदस्यों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए सजा देने जैसा है। पत्र में विपक्ष ने 4 फरवरी की एक घटना का भी जिक्रकिया, जब विपक्षी सदस्यों के बार–बार कहने के बावजूद, एक भाजपा सांसद को कथित तौर पर चेयर से बिना किसी डांट के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों पर पूरी तरह से आपत्तिजनक और निजी हमले करने की इजाजत दी गई थी और संबंधित सांसद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं, स्पीकर ओम बिरला द्वारा 5 फरवरी को मोशन ऑफ थैंक्स को वॉयस वोट से पास करने के बाद की गई बातों पर भी आपत्ति जताई गई। सदन में अपने बयान में बिरला ने विपक्षी सदस्यों पर पहले कभी नहीं हुए सीन बनाने का आरोप लगाया था और कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री से एक संभावित अप्रिय घटना को टालने के लिए सदन में न आने का अनुरोध किया था।

जल्द नए स्वरूप में नजर आएंगे बाबा बर्फानी

चमोली। हिमालय क्षेत्र में स्थित बाबा बर्फानी का टिम्मरसैंण गुफा क्षेत्र जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगा। गुफा तक आवाजाही भी सुगम हो जाएगी। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत जिला पर्यटन विकास विभाग की ओर से टिम्मरसैंण क्षेत्र को संवारने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए विभाग को भारत सरकार से 26 करोड़ 85 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। चमोली जनपद की टिम्मरसैंण गुफा में प्राकृतिक रूप से बर्फ शिवलिंग का आकार ले लेता है। स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटक बड़ी संख्या में बाबा बर्फानी के दर्शनों को पहुंचते हैं। केंद्र सरकार की वाइब्रेंट योजना के तहत गुफा क्षेत्र के सौंदर्यीकरण व आवाजाही की समुचित सुविधा दिए जाने के लिए पर्यटन विभाग ने भारत सरकार को 2024 में प्रस्ताव भेजा था। इस वर्ष जनवरी माह में इसे स्वीकृति मिली और पर्यटन विभाग को 26 करोड़ 85 लाख रुपये मंजूर हुए। अत्यधिक बर्फबारी न होने के चलते पर्यटन विभाग ने यहां अवस्थापना विकास के काम शुरू कर दिए हैं। गुफा परिसर का सौंदर्यीकरण करने के साथ ही प्राकृतिक रास्ते का सुधारीकरण किया जा रहा है।

हरिद्वार में उमड़ा कांवड़ियों का सैलाब, भारी वाहनों पर रोक

देहरादून। शारदीय कांवड़ मेले के बीच हरिद्वार में शिवभक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। नजीबाबाद हाईवे पर मंगलवार को ऐसी स्थिति बनी कि सड़क का एक हिस्सा कांवड़ लेकर चल रहे शिवभक्तों से भरा नजर आया। धर्मनगरी में भीड़ का दबाव देख पुलिस ने विशेष ट्रैफिक योजना लागू कर दी है। शहर के भीतर और हरिद्वार की सीमा से वाहनों को लौटाया जा रहा है। भारी वाहनों के प्रवेश पर कांवड़ मेले तक प्रतिबंध है। आवश्यक वस्तुओं से जुड़े वाहनों को भी नियंत्रित तरीके से प्रवेश दिया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, बाहर से आने वाले डाक कांवड़ वाहनों को अब गौरीशंकर और नीलधारा पार्किंग में खड़ा कराया जा रहा है। सिडकुल क्षेत्र से आने वाले भारी वाहनों को सिडकुल में ही रोका जा रहा है, जबकि चिड़ियापुर सीमा से आने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में नीलधारा की पार्किंग भी तेजी से भरने लगी है। 15 को जलाभिषेक, भीड़ में बढ़ोतरी संभव मुरादाबाद, बिजनौर, बरेली, चंदौसी सहित यूपी के कई जिलों से कांवड़ियों का आगमन लगातार जारी है। मुजफ्फरनगर, मेरठ और गाजियाबाद समेत आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त हरिद्वार पहुंच रहे हैं। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक होना है, जिसके चलते भीड़ में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। धर्मनगरी में पार्किंग तक होने लगी हैं पैक हरिद्वार में नेशनल हाईवे से सटी पंतद्वीप, चमगादड़ टापू और लालजीवाला पार्किंग लगभग भरने की स्थिति में पहुंच जा रही है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को कांवड़ मेले के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं। बिजनौर से हल्के वाहन नीलधारा होकर कर रहे प्रवेश यातायात व्यवस्था के तहत बिजनौर से आने वाले कांवड़ वाहन 4.2 पुल से गौरीशंकर और नीलधारा पार्किंग में भेजे जा रहे हैं। हरिद्वार से नजीबाबाद जाने वाले हल्के वाहन सीधे भेजे जा रहे हैं। बिजनौर से आने वाले हल्के वाहन 4.2 पुल, गौरीशंकर और नीलधारा होकर शहर में प्रवेश कर रहे हैं।

महिलाओं के बिना राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं : धामी

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का किया शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से 484 लाभार्थियों को भेजी 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि

महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना एक सशक्त महिला उद्यमी योजना है। अब महिलाओं को किसी और के ऊपर निर्भर न रखकर खुद आत्मनिर्भर बनेंगी साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि निश्चित ही यह योजना एकल महिलाओं की तस्वीर बदलने का काम करेंगी।

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी। कहा कि राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा रही है। महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं है। महिला के सशक्त होने से परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में जनपद बागेश्वर (42 लाभार्थी), देहरादून (191), नैनीताल (75), पौड़ी (66), टिहरी (23) एवं उधमसिंहनगर (87) के कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में भेजी। इसके साथ मुख्यमंत्री ने विभागीय कैलेंडर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि दी जा रही है। शेष 7 जनपदों की 540 महिलाओं को भी लगभग 4 करोड़, महीने के अंत तक डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना में हमने विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा या किसी भी कारण से अकेले जीवन का भार उठाने वाली महिलाओं के साथ एसिड अटैक, आपराधिक घटना की पीड़िता, ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के शुरू होने से राज्य की नारी शक्ति अब नेतृत्व की भूमिका निभाएंगी। कहा कि राज्य सरकार, राज्य की मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना, मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर प्रदान किए जा रहें हैं।

वरुणावत पर्वत के शीर्ष पर बनेगा ईको पार्क

उत्तरकाशी। ईक टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में जिला प्रशासन ऐक्शन मोड में आ गया है। जिला मुख्यालय से लगे वरुणावत पर्वत के टॉप पर ईको पार्क विकसित करने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसको लेकर जिलाधिकारी ने पर्यटन, वन विभाग और होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर चर्चा की। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वी–टॉप पर इको पार्क के निर्माण के लिए किसी अनुभवी आर्किटेक्ट के साथ बैठक कर आकर्षक, आधुनिक और पूर्णतः ईको–फ्रेंडली डिजाइन तैयार करें। उन्होंने कहा कि पार्क का विकास इस तरह किया जाए जिससे पहाड़ों की नैसर्गिक सुंदरता बनी रहे और स्थानीय जैव विविधता को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। बैठक में वरुणावत टॉप तक पहुंच को और अधिक सुगम बनाने पर भी चर्चा की गई। डीएम ने बस अड्डे के समीप से वरुणावत व्यू पॉइंट तक प्रस्तावित ट्रेक मार्ग के सुधारीकरण के निर्देश दिए जिससे पर्यटक सुरक्षित और सुविधाजनक रूप से ट्रेकिंग का आनंद ले सकें। इसके साथ ही इको पार्क में कैफेटेरिया एरिया, बच्चों के लिए झूले, बैठने की व्यवस्था, सेल्फी पॉइंट व सूचना बोर्ड जैसी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया गया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला :

ईडी अब अनिल अंबानी की पत्नी टीना से करेगी पूछताछ

फिल्म अभिनेत्री रह चुकीं टीना को एजेंसी ने सोमवार को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी उन्हें फिर से बुलाएगी। माना जा रहा है कि उन्हें न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी कॉन्डोमिनियम खरीदने से जुड़े मनी ट्रेल के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

ईडी ने हाल ही में इस मामले में (रिलायंस कम्युनिकेशन) के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के खिलाफ कथित बैंक फ्रॉड और उससे जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामलों की जांच के लिए एक एसआईटी बनाई है।

नई दिल्ली ,प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए नया समन जारी करेगा। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी।

घूसखोर पंडत विवाद : हाईकोर्ट में याचिका का निपटारा

मनोज बाजपेयी की फिल्म का बदलेगा टाइटल

नई दिल्ली , नेटफ्लिक्स की अपकमिंग फिल्म घूसखोर पंडत के टाइटल को लेकर उठे विवाद के बाद कंपनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में बड़ा बयान दिया है। नेटफ्लिक्स ने कोर्ट को बताया कि मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म का नाम बदला जाएगा और आपत्तिजनक शब्द हटाए जाएंगे। साथ ही सोशल मीडिया से सारे प्रमोशनल मटेरियल पहले ही हटा दिए गए हैं। इस मामले में याचिका दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नीरज पांडे की फिल्म का टाइटल घूसखोर पंडत ब्राह्मण समुदाय के लिए अपमानजनक और बदनाम करने वाला है। याचिकाकर्ता का कहना था कि घूसखोर जैसे शब्द को पंडित से जोड़कर पूरे समुदाय की छवि खराब की जा रही है, जो सांप्रदायिक रूप से आपत्तिजनक है। याचिका में फिल्म की रिलीज और स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने की मांग की गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नेटफ्लिक्स के वकील ने स्टेटमेंट दिया कि कंपनी फिल्म का नाम बदल रही है। ऑफेंसिव शब्द को हटाकर नया टाइटल रखा जाएगा। नेटफ्लिक्स ने यह भी कहा कि विवाद के बाद प्रमोशनल कंटेंट सोशल मीडिया से हटा दिया गया है। याचिकाकर्ता एडवोकेट विनीत जिंदल ने कोर्ट की कार्यवाही के बाद बताया कि यह ब्राह्मण समुदाय के लिए बड़ी जीत है। उन्होंने कहा, टाइटल में घूसखोर शब्द का इस्तेमाल ब्राह्मणों के लिए डिफेमेटरी था। नेटफ्लिक्स ने कोर्ट में नाम बदलने की बात मानी, जो बड़ी जीत है। उन्होंने आगे कहा कि अगर फिल्म के कंटेंट में भी कोई आपत्तिजनक चीज मिलती है, तो फिर से कोर्ट का रुख किया जा सकता है। कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कंटेंट में कोई समस्या आती है, तो याचिकाकर्ता कानूनी प्रक्रिया के तहत दोबारा आ सकते हैं। कोर्ट ने सेंट्रल गवर्नमेंट या संबंधित अथॉरिटी को निर्देश दिया कि वे कंटेंट को वेरीफाई कर सकते हैं, क्योंकि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सीबीएफसी सर्टिफिकेशन जरूरी नहीं होता और कंटेंट रिलीज के बाद जांचा जाता है। वर्बल रिक्वेस्ट की गई कि कंटेंट को पहले वेरीफाई किया जाए, ताकि कोई आपत्तिजनक कंटेंट न आए। याचिकाकर्ता ने इसे बड़ी सफलता बताया और कहा कि इससे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कम्युनिटी को टारगेट करने वाले कंटेंट पर लगाम लगेगी।

डंपर ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर, पत्नी की मौत

रुद्रपुर। एनएच–74 पर मंगलवार को एक डंपर ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। बाइक डंपर के टायर में फंस गई और दंपति काफी दूर तक घसीटते रहे। हादसे के बाद चालक रेंगता हुआ डंपर छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की मदद से दंपति को निकालकर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया, जबकि पति का उपचार जारी है। दिनेश वैद्य पुत्र सदानंद वैद्य निवासी जोशी कॉलोनी न्यूरिया पीलीभीत नमकीन बनाकर बेचने का काम करते हैं। वह अपनी पत्नी कविता के साथ वार्ड 3 चंदनगढ़ दिनेशपुर में अपने साढ़ू दुलाल पांडे के भाई मोरू पांडे की लड़की की शादी में आए हुए थे। वैवाहिक समारोह संपन्न होने के बाद मंगलवार को दिनेश और उनकी पत्नी कविता बाइक से वापस अपने घर न्यूरिया जा रहे थे। लगभग साढ़े 11 बजे रुद्रपुर रोड पर इंट्राक फैक्ट्री के सामने उनकी बाइक को डंपर ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद आरोपी चालक सड़क पर रेंगता हुआ डंपर छोड़ कूदकर भाग गया। इस कारण दंपति की बाइक काफी दूर तक डंपर के टायर के साथ रगड़ती चली गई। डंपर सड़क बीच डिवाडर से टकराकर स्वयं रुक गया।

अब माओवाद नहीं, विकास और आत्मविश्वास की पहचान है बस्तर : मोदी

नई दिल्ली ,छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र की पहचान अब धीरे–धीरे एक नए रूप में उभर रही है। जिस बस्तर को लंबे समय तक माओवाद, हिंसा और पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाता था, वही बस्तर अब अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और आत्मविश्वास के लिए देशभर में चर्चा का विषय बन रहा है। इसी बदलाव की एक बड़ी मिसाल है बस्तर पंडुम, जिसका आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, छत्तीसगढ़ में बस्तर पंडुम का विशेष आयोजन किया गया। इस उत्सव के दौरान बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य रूप दिखा। इस प्रयास से जुड़े अपने सभी परिवारजनों को मेरी हार्दिक बधाई। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा, पहले जब बस्तर का नाम लिया जाता था तो माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी। लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल चुके हैं। आज बस्तर विकास के साथ–साथ स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जाता है। मेरी यही कामना है कि यहां का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव की भावना से परिपूर्ण हो।

इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बस्तर पंडुम में शामिल हुए और उन्होंने इसे बस्तर के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवादियों के भय और हिंसा से बाहर निकलकर बस्तर अपनी संस्कृति और धरोहरों को आगे बढ़ा रहा है और विकसित भारत का ब्रांड एंबेसडर बन रहा है। आज जगदलपुर (छत्तीसगढ़) के बस्तर पंडुम में जनजातीय बहनों–भाइयों को पुरस्कार वितरित कर उनसे संवाद किया।

रक्षा मंत्रालय द्वारा फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की मंजूरी, इस सप्ताह मिलने की संभावना

नई दिल्ली ,भारत का रक्षा मंत्रालय इस सप्ताह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की एक बड़ी डील को मंजूरी दे सकता है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, यह सौदा भारतीय वायुसेना के लिए किया जा रहा है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से पहले दी जा सकती है। इसके बाद इस सौदे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से भी मंजूरी लेनी होगी। इस प्रस्ताव के अनुसार, भारत फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 18 राफेल विमान सीधे खरीदेगा। बाकी 96 विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इनमें से कुछ विमान दो सीट वाले होंगे, जिनका उपयोग पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए किया जाएगा। इस डील में आधुनिक तकनीक भारत को देने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने की बात भी शामिल है।भारतीय वायुसेना के के बेड़े में पहले से ही दो स्क्वाड्रनों में 36 राफेल विमान शामिल हैं, जिनमें से सी वेरिएंट की अंतिम डिलीवरी दिसंबर 2024 में हुई थी। इसके अलावा भारतीय नौसेना ने भी एम वेरिएंट के 26 राफेल विमानों का ऑर्डर भी दिया गया है, जिनकी कीमत करीब 63,000 करोड़ रुपए है। नौसेना के ये राफेल विमान आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य विमानवाहक पोत से उड़ान भरेंगे। इस सौदे में विमानों की मरम्मत, रखरखाव, जरूरी सामान और कर्मचारियों की ट्रेनिंग की व्यवस्था भी शामिल है। राफेल विमानों का इस्तेमाल भारत ने पिछले साल मई में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में किया था, जिसमें पाकिस्तान के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए थे। राफेल विमानों का इस्तेमाल स्कैल्प (एससीएएलपी) मिसाइल को लॉन्च करने के लिए किया गया था, जो 250 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक बहुत सटीक हमला कर सकती है।

एक ही परिवार के पांच लोगों ने की आत्महत्या

मथुरा ,मथुरा जिले के महावन थाना क्षेत्र के गांव खप्परपुर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों में पति–पत्नी और उनके तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय मनीष, उनकी पत्नी 32 वर्षीय सीमा, पांच वर्षीय बेटी हनी, चार वर्षीय बेटी प्रियांशी और दो वर्षीय बेटे पंकज के रूप में हुई है। सुबह करीब दस बजे ग्रामीणों ने घर का दरवाजा न खुलने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर सभी के शव पड़े पाए। घर की रसोई की दीवार पर लिखा है हम स्वयं आत्महत्या कर रहे हैं। आत्महत्या के कारणों को पुलिस अभी खोज रही है।

बलूचिस्तान में टैंकों के साथ घुसी पाकिस्तानी सेना

हर तरफ लगा कर्फ्यू, लोगों में डर का माहौल

क्वेटा , बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों और पाकिस्तानी सेना के बीच तनाव जारी है। इस बीच स्थानीय मीडिया ने जानकारी साझा की है कि बलूच विद्रोहियों के साथ जानलेवा झड़प के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ बलूचिस्तान के नुश्की में घुस गए और सुरक्षा बढ़ा दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने ऑपरेशन जारी रहने पर पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया और दुकानें बंद रखने और लोगों को घर के अंदर रहने के लिए कहा है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नोश्की में चल रहे कर्फ्यू और सुरक्षा ऑपरेशन के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के नेता बशीर जेब बलूच के पुश्तैनी घर को गिरा दिया।

सम्पादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025–26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू–राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू–राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति–निर्माण के सवीच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

पकौड़ा बेचना भी रोज़गार

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी के पहले पच्चीस वर्ष। ये ढाई दशक मानवता की अमूल्य, अविस्मरणीय अवधि के थे। इसमें मनुष्य के हाथों मनुष्य–समतुल्य कृत्रिम बुद्धि (एआई) बनी तो अंतरिक्ष–ब्रह्माण्ड को भेदने का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बना। तब पृथ्वी के सर्वाधिक आबादी वाले भारत में क्या बना? भीड़ और उसकी आवाजाही या कनेक्टिविटी का इंफ्रास्ट्रक्चर। फिर उसी से फैला बाज़ार! ध्यान रहे बीसवीं सदी के आख़िरी दशक में पीवी नरसिंह राव नाम का प्रधानमंत्री भारत को प्राप्त हुआ था। वह बुद्धि और दृष्टि लिए हुए था। सो, उन्होंने नौकरशाहों के समाजवाद (पूंजी, कोटा–परमिट) से भारत को मुक्त कराया। मंत्रालयों में पूंजी, उद्यम, पुरुषार्थ के चक्कर खत्म (घटाए) कराए। उन दिनों चीन में देंग शियाओ पिंग ने जहां देशी–विदेशी पूंजी, शिक्षा–ट्रेनिंग, मेहनत से देश को गढ़ने में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को धार दी थी तो नरसिंह राव–मनमोहन सिंह ने भी भारत में अवसर खोले थे।

राव सरकार ने बतौर मानव संसाधन लोगों को समर्थ बनाने के फ़ैसले लिए। हालांकि उनसे पहले वीपी सिंह ने मंडल–मस्जिद में समाज को भीड़ बनाने के विषाणु फैला दिए थे। तभी लालू यादव, मुलायम सिंह, लालकृष्ण आडवाणी की आरक्षण, धर्म की आग फैली थी। उसी का असर था जो इक्कीसवीं सदी की मिलेनियम पीढ़ी की दिशा बिगड़ी।

नौजवान या तो आईटी क्षेत्र के बैक–ऑफ़िस, कुलीगिरी की तरफ दौड़े या आरक्षण की भूख में अंधे होकर सरकारी नौकरी की माया में भटके। मेरा मानना है समाज के भटकने के संग अर्धसाक्षरता की शिक्षा का अटल बिहारी वाजपेयी–डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सर्व शिक्षा अभियान वह दूसरा मोड़ था, जिससे पहली कक्षा से बारहवीं तक की शिक्षा से मिलेनियम पीढ़ी की बरबादी बनी।

सरकारी स्कूलों का भ्ा बैठा। प्राइवेट शिक्षा से शिक्षा–असमानता बनी। शिक्षा का कुल नतीजा बुद्धिविहीन आईटी कुलियों, सरकारी नौकरियों की भूख, कुशलता–कौशल के नाम पर बेगार करती नौजवानों की भीड़ थी। न खेती व परंपरागत कौशल में प्रवीण और न पहले जैसे काबिल इंजीनियर–डॉक्टरों का शिक्षण। सो, जेनरेशन दुकान, गुमटी, धंधों में खपी। इसी के ट्रेंड को बूझ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से निकला था कि दफ़्तर के बाहर पकौड़ा बेचना भी रोज़गार है।

मतलब नरसिंह राव–मनमोहन सिंह बनाम नरेंद्र मोदी का बेसिक फ़र्क यह भी है जो राव–वाजपेयी–मनमोहन सिंह ने भूमंडलीकरण, वैश्विक ट्रेंड में उत्पादकता, औद्योगिक उत्पादकता, आईटी–सेवा क्षेत्र के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बनवा इक्कीसवीं सदी के सिनेरियो में दिमाग खपाया। वहीं नरेंद्र मोदी ने चाय–पकौड़े की गुमटी यानी व्यापार, धंधा, मुनाफ़े में भारत का भविष्य बूझा है। यह उनका दोष नहीं है। गुजरात की तासीर में विकास मतलब व्यापार, धंधा, दुकान, वाणिज्य से मुनाफ़े की सवोच्चता से ही सब है। इसी कारण अंबानी–अडानी प्रतिमान हैं। बाक़ी सब जाएं भाड़ में और धंधा, मुनाफ़ा ही परम पुरुषार्थ।

सोचें, पिछले तीन वर्षों में अंबानी–रिलायंस ने यूक्रेन संकट में रूस से सस्ता–कच्चा तेल ख़रीद उसे देश–दुनिया को कितना महंगा बेचा? अरबों–खरबों रुपए का मुनाफ़ा कमाया होगा। अब यदि इस धंधे से भारत ट्रंप के टैरिफ़ का मारा है तो अंबानी–रिलायंस का तो कुछ नहीं बिगड़ना है। मगर देश, मोदी सरकार के लिए तो अंबानी सफलता की कहानी है!

विषयांतर हो रहा है। मूल बात पर लौटें। भारत ने 1990 से 2000 के बीच अपने् इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की भूमिका बनाई। राव–मनमोहन सिंह ने हाईवे, एयरपोर्ट, बंदरगाह, संचार व बिजली क्षेत्र को नौकरशाही जकड़न से मुक्त किया। निज पूंजी, उद्यम को स्वतंत्रता दी। इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण शुरू हुआ तो उससे इक्कीसवीं सदी के 25 वर्षों की सतत कोशिश से भारत को क्या प्राप्त है? कह सकते हैं कनेक्टिविटी और बिजली का उजाला है। अर्थात हाईवे के नेटवर्क, संचार, आवाजाही–माल ढुलाई, ऊर्जा में सुगमता है। जैसा भी हो पर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा है। ऐसा होनी मोदी सरकार से नहीं है। उसका योगदान सरकारों की निरंतरता की मौजूदा कड़ी के नाते है। संयोग था जो नरसिंह राव के सुधारों के बाद की सरकारों में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रभारी मंत्री कामकाजी हुए।

वाजपेयी सरकार के भुवनचंद खंडूरी हों या कांग्रेस के कमलनाथ–सीपी जोशी या नितिन गडकरी से भारत हाईवे नेटवर्क में गुंथा गया है। इन सभी मंत्रियों ने नौकरशाही को सख़्ती से कसते हुए काम निकालने की धुन में काम किया। ध्यान रहे कांग्रेस ने ही अडानी को पहला बंदरगाह दिया था। ऐसे ही उसने दक्षिण भारत की कंपनियों को हाईवे, एयरपोर्ट, बिजलीघर बनाने के काम सौंपे थे। सरकारों की प्राथमिकता से ही पच्चीस वर्षों का इंफ्रास्ट्रक्चर लेखा है। अब सवाल है कि जिस असल काम के लिए बुनियादी ढांचा बना उसका क्या हुआ? क्या भारत में कारख़ाने खुले, निर्यात बढ़ा? भारत की उत्पादकता बढ़ी? औद्योगिक क्रांति हुई? भारत आत्मनिर्भर बना?

ऐसा न होना 25 वर्षों के भारत चि् की असलियत है। किसी भी अर्थशास्त्री से पूछें, किसी भी विकसित देश की गाथा पढ़ें तो मालूम होगा कि जब भी किसी ने इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया तो उस देश में फैक्ट्रियां खुलीं, रोज़गार बढ़ा। उत्पादकता बढ़ी। निवेश आया और निर्यात बढ़ा। उसी से फिर इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत निकली। 25 वर्षों में भारत में उलटा हुआ! औद्योगिकीकरण नहीं हुआ। उलटे 140 करोड़ लोगों की भीड़ से भारत वह बाज़ार बना, जिसके हाईवे, बंदरगाहों, एयरपोर्ट, कम्युनिकेशन ने चीन में बने सामान की माल ढुलाई को आसान बनाया। अंबानी–अडानियों को शॉपिंग मॉल बनाकर, बंदरगाह विकास कर चीन, वियतनाम से टरबाइन या सोलर मशीनरी आदि हर सामान लाकर भारत में खपाने, लगाने, बेचने का धंधा चोखा बना।

सो, इंफ्रास्ट्रक्चर से भारत का औद्योगिकीकरण नहीं है। मगर बाज़ार फैला है और लागत वसूली है। लोगों की कनेक्टिविटी बनी तो उसके साथ 140 करोड़ से ही टोल टैक्स, हवाई टिकट, फ़ोन बिल की मनमानी वसूली का रिवाज–कायदा है। एयरपोर्ट–बंदरगाह क्षेत्र में अडानी और इंडिगो बने। फ़ोन–संचार पर जियो–एयरटेल की एकछत्रता हुई। बिजली में अंबानी, अडानी सहित कोलकाता–हैदराबाद की पावर कंपनियों की सरकारी ढांचे के ज़रिए मनमानी बिजली रेट, बिल बने हैं। सन् 2000 से पहले भारतीयों के अनुभव में बिजली न होने या कटौती की शिकायत होती थी। अब घर–घर की शिकायत है कि बिजली–पानी के कितने ज़्यादा बिल आ रहे हैं।

सो, उपयोग और कंपनियों की कमाई का वह चक्रहै, जिसमें न सस्ता है न स्वदेशी है और न स्वावलंबी भारत है। इंफ्रास्ट्रक्चर भी तमाशा है। नतीजतन एक्सप्रेस वे, हाईवे, स्टेट रोड आदि की दशा, इनके किनारे वही दशा है जो 2000 से पहले पटना से मुजफ़्फरपुर जाते वक्त थी। एक उदाहरण बिहार के हाईवे का है। बिहार के विकास–गौरव का प्रतीक पटना में गंगा किनारे (राजधानी से बाहर निकलने, प्रदेश के सभी रास्तों पर ले जाने के रास्ते) का मरीन ड्राइव यानी जेपी गंगा पथ है।

पर यह किससे पटा हुआ है–गुमटियों व ठेलों की दुकानों से। मैं बतौर रिपोर्टर 1984 में पहली बार पटना से मुजफ़्फरपुर गया तो सड़क किनारे की गुमटियों की संख्या, निठल्लों की अड्डेबाज़ी, चाय–छोटे सिंघाड़े (समोसे) का मिला नज़ारा मेरे लिए मनभावक था। चालीस साल बाद उसी नज़ारे की कहानी जेपी गंगा पथ है। जेपी गंगा पथ के किनारों पर ठेलों, गुमटियों से भरा हुआ है। कहते हैं शाम को पांव रखने की जगह नहीं होती। तब और अब के विकास के फर्क का गौरतलब पहलू यह है जो जेपी गंगा पथ की गुमटियों में अब सिंघाड़े की बजाय मोमोज़, चाउमीन, पिज़्ज़ा जैसी वे चीज़ें मिलती हैं जो देसी पकौड़ों से बढ़कर हैं।

यह उदाहरण इक्कीसवीं सदी के पच्चीस वर्षों की भारत–प्राप्ति का एक सार है। इंफ्रास्ट्रक्चर बना है पर फैक्ट्रियां नहीं हैं। तो है क्या? जवाब है–बाज़ार। दिल्ली में करोलबाग का मंडे बाज़ार देखें या गंगा पथ हाईवे की गुमटियों से टाइमपास या दिल्ली–जयपुर एक्सप्रेसवे के किनारे में चमक–धमक, पंचतारा देसी–विदेशी ब्रांड की आधुनिक गुमटियों के ठिकानों पर जमा भीड़ से साफ झलकेगा बाज़ार ही भारत का विकास है। भीड़ और बाज़ार के लिए बंदरगाहों से लेकर दिल्ली, कोलकाता, यूपी, बिहार के सभी हाईवे (कनेक्टिविटी) का उपयोग या तो लोगों की आवाजाही के लिए है या चीन, वियतनाम, आसियान व अन्य देशों से हो रहे आयात की माल ढुलाई का है।

सो, भारत सिंघाड़ा यानी समोसा बनाना छोड़ रहा है क्योंकि भीड़ का स्वाद चाइनीज़, इतावली, अमेरिकी हो गया है। इसलिए भारत के छोटे–मोटे सभी उद्यमी विदेशी चीज़ों के व्यापारी बन गए हैं। मकसद भीड़ को दुहना है। विदेशी कंपनियों के निर्मित सामान, प्रोडक्ट, तकनीक–ब्रांड का डीलर बनना है। स्टील, सीमेंट से लेकर संचार सभी क्षेत्रों में मोनोपॉली बनाना है। और यही जेपी गंगा पथ की भीड़ के दिमाग में विकास है। विकसित भारत है। तभी वह इंफ्रास्ट्रक्चर की कनेक्टिविटी में गंगा किनारे मोमोज़ खाते हुए रील बनाता है। दोस्तों, रिश्तेदारों, दुनिया को दिखलाता है। अमेरिकी कंपनियों की कमाई बढ़वाता है और भक्तिभाव से मोदीजी को पूजता है! उसे दिमाग में और कुछ नहीं सूझता। आख़िर मिलेनियम पीढ़ी, नौजवान आबादी की जिस धुन, रीलों में भारत रमा है वह वाजपेयी सरकार के सर्व शिक्षा अभियान से निर्मित खोखा–छाप साक्षरता से जो बने हुए हैं।

उस नाते यह सोचना ग़लत नहीं है कि वाजपेयी सरकार ने जहां शिक्षा–बुद्धिविहीन–अंगूठा छाप युवा भीड़ पैदा की तो वही इक्कीसवीं सदी में भीड़ में कनवर्ट है जो साथ–साथ सहज भाव भक्त भी है। सोचें, इक्कीसवीं सदी के जिन पच्चीस वर्षों में मानवता से कृत्रिम बुद्धि (एआई) और अंतरिक्ष के हाईवे, इंफ्रास्ट्रक्चर बने ठीक उसी अवधि में भारत का भीड़, बाज़ार और भक्ति निर्माण है।

सत्य–विवेक–बुद्धि ख़त्म या भ्रष्ट है और आत्मनिर्भरता पैंदे में। वह मनुष्य–चेतना, स्वतंत्रता, व्यक्तिगत खुद्दारी भी लुप्त है जो बीसवीं सदी के 1901 से 1925 के मध्य हिंदुस्तान के लोगों को प्राप्त हुई थी। इतिहास खंगालें, याद करें 1905 के बंग–भंग से पहले और बाद के अंग्रेज़ शासन में स्वतंत्रता, खुद्दारी, स्वदेशी, स्वराज की हिंदुओं में कैसी चेतना बनी थी? बुद्धि का तब कैसा विस्फोट था?

हिंदुस्तानी भाषाओं, कला–संगीत, साहित्य का वह स्वर्णयुग था तो विज्ञान से वकालत में प्रोफ़ेशनल श्रेष्ठता थी? वह समय अरविंद, तिलक, गोखले, गांधी, सावरकर, हेडगेवार, टैगोर, प्रेमचंद, जेसी बोस, रामानुजन, मोतीलाल–जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आज़ाद जैसी उन हस्तियों का था जो या तो ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों से या अंग्रेज़ शिक्षा व्यवस्था की कठोरता, अनुशासन या फिर पश्चिमी विचारों के प्रभावों की वजह से खिली थीं। 1901 1925 के पच्चीस वर्ष भारत में बौद्धिक–राजनीतिक पुनर्जागरण के थे। लोग क्रांति, साहित्य, विज्ञान और आत्मिक–बौद्धिक–राजनीतिक चेतना के व्यक्तित्वों से संपन्न थे। और ताजा गुज़रे 25 वर्षों में क्या प्राप्त हुआ? झूठ, भीड़, बाज़ार, भक्ति और पराश्रित जीवन की कनेक्टिविटी लिए हुए भारत!

भारत का स्वर्णिम अवसर

हरिशंकर व्यास

अमेरिका से यूरोप का बिदकना भारत का स्वर्णिम अवसर है। विश्व राजनीति में नई सोच, नई ताकत के लिए नए गठजोड, नए बाजार, नए साझेदार के अवसर हैं। इसमें 150 करोड़ लोगों के भारत बाजार के लिए मौके ही मौके हैं। आवश्यकता सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक्शन के दस घंटों की है। वे अफसरशाही, डोवाल–जयशंकर के घेरों से बाहर निकलें और जैसे 24 जुलाई 1991 के दिन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने सुबह आठ बजे से शाम को आठ बजे के दस घंटों में भारत की आर्थिकी को बदला वैसा ही कमाल कर दिखाएं। नरसिंह राव ने दस घंटों में ही भारत को बदला। इन दस घंटों में उन्होंने वित्त मंत्री मनमोहन सिंह का बजट देखा, कैबिनेट से ओके कराया तो संसद में बजट प्रस्तुत होने के बाद बतौर उद्योग मंत्री खुद नरसिंह राव ने उद्योग–पूंजी, लाइसेंस के अफसरी ढांचे को ध्वस्त करने के नोटिफिकेशन बनवाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश–दुनिया को समाजवाद से मुक्त बताया।

वैसा ही साहस चाहिए। भारत नए गठजोड़ के साथ नए विजन बनाए। ध्यान रहे ब्रिटेन, न्यूजीलैंड के बाद 26 जनवरी के बाद भारत–यूरोपीय संघ में मुक्त व्यापार संधि होने वाली है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा गणतंत्र दिवस की परेड में विशिष्ट अतिथि हैं। कुछ दिन पहले जर्मन के चांसलर शोल्ज़ भी भारत आए थे। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में कहा है हम भारत के साथ एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते के कगार पर हैं। कुछ लोग इसे 'सभी सौदों में सबसे बड़ाइ मानते हैं–ऐसा समझौता जो दो अरब लोगों का साझा बाज़ार बनाएगा। वैश्विक जीडीपी के लगभग एक–चौथाई का प्रतिनिधित्व करेगा"। गलत नहीं है ऐसा मानना। पर गौर करे 'दो अरब लोगों का साझा बाज़ार! यही पेंच है। यह सवाल है कि नए दो अरब लोगों के बाजार के 150 करोड़ भारतीयों के पास यूरोप, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड के बाजार में बेचने को क्या है, जबकि यूरोप का तो हर उत्पाद भारत में भरपूर बिकेगा!

इसलिए भारत को अपनी कोर आवश्यकता की पूर्ति का सौदा पटाना चाहिए। आवश्यकता सुरक्षा के लिए हथियारों की है। भारत स्वदेश में विश्व स्तरीय हथियार बनाए। यह मिशन अब अमेरिका से झटके के बाद यूरोपीय देशों, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, यूरोपीय संघ का भी है। यूरोप बेइंतहां रिसर्च–तकनीक निर्माण में खपेगा। उससे किसी तरह भारत का साझा बने। मतलब यूरोप रिसर्च, तकनीक, शस्त्र प्रणालियां (जो भारत में संभव नहीं) बनाए और साझा पूंजी निवेश से फैक्ट्रियां भारत में लगे।

भारत में रोजगार, आत्मनिर्भरता का आधार बनेगा। कुछ वैसा ही मॉडल जैसे सुजुकी कंपनी ने भारत में मारूति–सुजुकी बना अपना और जापान का दोनों का मुनाफा बनाया तो वह भारत के देशज ऑटो उत्पादन का आधार भी हुआ।

यह संभव है। प्रमाण यूरोपीय संघ के पारस से जैसे–तैसे सदस्य बने तुर्की का विकसित होना है। कई जानकार तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन और नरेंद्र मोदी को समतुल्य मानते है। दोनों राष्ट्रवादी, धर्मवादी और वैश्विक धमक के नेतृत्वकर्ता। पर कई बुनियादी फर्क है। तुर्की वास्तविक विकास की कहानी है। पिछले साल तुर्की ने स्वदेशी हथियार निर्माण की झांकी में एक रक्षा प्रदर्शनी आयोजित की। और उसकी रिपोर्ट सुनते हुए मुझे मालूम हुआ कि दस साल पहले तुर्की रक्षा साजो सामानों में सिर्फ 30 प्रतिशत आत्मनिर्भर था। अब 80 प्रतिशत है! वह अफ्रीका महाद्वीप को सर्वाधिक हथियार बेचता है। उसके उन्नत ड्रोन और अन्य रक्षा उपकरण हिट है। 2025 का तुर्की का रक्षा और एयरोस्पेस निर्यात 10.56 बिलियन डॉलर अनुमानित है। वैश्विक हथियार निर्यात में विश्व का अब वह 11वां निर्यातक देश है। जबकि भारत का 2024–25 में रक्षा निर्यात आंकड़ा 23,622 करोड़ रुपए (लगभग2.76 बिलियन डॉलर) का है।

सो, तुर्की की कहानी की एक बड़ी वजह यूरोपीय संघ के पारस से उसका सोना बनना है। वह यूक्रेन को ड्रोन बेचता है तो पुतिन से भी संबंध रखता है। आज तुर्की से कई गुना, कई तरह के बड़े अवसर भारत की बाजार हैसियत की बदौलत है। यूरोपीय देश आगे हथियारों के लिए बुद्धि–पूंजी खपाएंगे तो उन्हें इस काम में श्रम शक्ति, बाजार का साझा भी चाहिए। इसमें यदि भारत लपके, कूटनीति करे, यूरोपीय संघ (ब्रिटेन, जर्मनी आदि) की कंपनियों से भारत घुलमिल जाए तो जहां अमेरिका, रूस, चीन की तोड़ बनेगी वही सभ्य–लोकतांत्रिक यूरोपीय मिजाज की संगत भी बनेगी। क्या नहीं?

मेरे करियर में मेरा धर्म कभी बाधा नहीं बना : जोया अफरोज

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है।अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म गांधी टॉक्स की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने

उन्होंने ए. आर. रहमान के कम्युनल वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा।

हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए। जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए। गांधी टॉक्स की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द–गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है।

टी–20 विश्व कप 2026: दक्षिण अफीका ने कनाडा को हराया

नईदिल्ली, टी–20 विश्व कप 2026 के 9वें मैच में दक्षिण अफीका क्रिकेट टीम ने कनाडा क्रिकेट टीम को 57 रन से हराते हुए अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए मैच में प्रोटियाज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 213/4 का स्कोर बनाया, जिसमें एडेन मार्करम का अर्धशतक (59) शामिल रहा। जवाब में कनाडा की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 156/8 का स्कोर ही बना सकी। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।
दक्षिण अफीका से मार्करम और क्विंटन डिकॉक (25) ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। इसके बाद रयान रिकेल्टन (33), डेविड मिलर (39*) और ट्रिस्टन स्टब्स (34*) ने मिलकर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जवाब में कनाडा से दिलप्रीत बाजवा (0) और युवराज समरा (12) के रूप में सलामी बल्लेबाज सस्ते में आउट हुए। इसके बाद नवनीत धालीवाल (64) और हर्ष ठाकर (32) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके।

मार्करम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसकी बदौलत दक्षिण अफीका ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 66 रन बनाए। उन्होंने कनाडा के गेंदबाजों के सामने 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के केंद्रीय अनुबंध में हुआ बदलाव, ग्रेड– बी में शामिल किए गए

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध (2025–26) की घोषणा की, जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा को ग्रेड– बी में रखा गया है। बीसीसीआई ने इस बार पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए अनुबंध में बदलाव किए हैं। इस बार दोनों वर्ग से ए+ श्रेणी को हटा दिया गया है। पुरुष टीम में सिर्फ 3 खिलाड़ियों को ग्रेड–ए में रखा गया है। आइए सूची पर नजर डालते हैं।

इस बार बीसीसीआई ने कुल 30 सीनियर पुरुष क्रिकेटरों को केंद्रीय अनुबंध दिया गया है। बीसीसीआई द्वारा जारी सूची में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा को ही ग्रेड–ए में रखा गया है। बता दें कि गिल वनडे और टेस्ट प्रारूप में भारत के कप्तान हैं, जबकि बुमराह तीनों प्रारूप में खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। वहीं, जडेजा टी–20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं और वनडे और टेस्ट टीम के अभिन्न अंग हैं।

बीसीसीआई ने इस बार ग्रेड– बी में 11 खिलाड़ियों को रखा है। कोहली और रोहित के अलावा इस ग्रेड में हार्दिक पांड्या, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर और कुलदीप यादव शामिल हैं। बता दें कि पंत, सिराज, पांड्या और राहुल पिछले अनुबंध में ग्रेड–ए का हिस्सा थे। ऐसे में इन प्रमुख खिलाड़ियों के अनुबंध में भी बदलाव देखने को मिले हैं।

सात साल बाद अभिनय की दुनिया में रिया चक्रवर्ती की वापसी

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती जल्द ही वेब सीरीज फैमिली बिजनेस के जरिए अभिनय की दुनिया में वापसी करने वाली हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी खुशी और भावनाओं को जाहिर किया। इस वीडियो में रिया काफी भावुक नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर जाने के लिए उन्हें 7 साल हो गए हैं, लेकिन उनके अंदर का जुनून आज भी वैसा ही है। रिया ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, सेट पर गए हुए मुझे 7 साल हो गए हैं, लेकिन मैं आज भी वही लड़की हूं, जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरे अंदर का एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुककर इंतजार करता रहा और अब मैं फिर से यहां हूं–अपनी जिंदगी के चैप्टर 2 में। रिया ने आगे कहा, सच ही कहा गया है कि जिंदगी वही होती है जो तब घटती है जब हम कुछ और योजनाएं बना रहे होते हैं।रिया के फैंस उनकी इस वापसी से काफी खुश नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। रिया ने कम उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में अभिनेत्री ने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है।

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की 'डकैत का टीजर रिलीज

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड 'डकैत का टीजर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर से फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में पता चलता है।

'डकैत का टीजर तो रिलीज हो गया है, लेकिन अभी ये टीजर सिर्फ 'तेलुगुझ् में रिलीज किया गया है। यानी हिंदी दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। 1 मिनट 31 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत आदिवी शेष से होती है। टीजर में पहले लव स्टोरी देखने को मिलती है, जो धीरे–धीरे एक्शन पर पहुंच जाती है।

भारत के खिलाफ टी–20 विश्व कप 2026 में मैच खेलेगा पाकिस्तान

नईदिल्ली, टी–20 विश्व कप 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच 15 फरवरी को होने वाला मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से ही होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आखिरकार इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के दबाव के आगे झुक गया। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तानी सरकार ने भारत के खिलाफ कोलंबो में होने वाले मैच के बहिष्कार की घोषणा की थी, जिससे विवाद बढ़ गया था। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

पीसीबी ने बयान जारी करते हुए कहा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आईसीसी और बीसीबी के बीच हुई उच्च–स्तरीय बातचीत के नतीजों के बारे में औपचारिक रूप से जानकारी दी।' बोर्ड ने आगे कहा, 'कई देशों के साथ बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार क्रिकेट टीम को 15 फरवरी, 2026 को टी–20 विश्व कप में अपने तय मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश देती है।'

आईसीसी ने पीसीबी और बीसीबी के बीच लाहौर में हुई बैठक की जानकारी साझा की। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर कोई वित्तीय, खेल या प्रशासनिक पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। बता दें कि बांग्लादेश ने टी–20 विश्व कप 2026 के लिए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद से ऐसी संभावनाएं जताई जा रही थी कि बीसीबी के खिलाफ आईसीसी आर्थिक प्रतिबंध लगा सकता है। बीते रविवार (8 फरवरी) को लाहौर में आईसीसी, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई थी। इस बैठक का मुख्य एजेंडा टी–20 विश्व कप 2026 में 15 फरवरी को भारत–पाकिस्तान मैच की स्थिति को स्पष्ट करना था।

एक नजर

अवकाश का वेतन न मिलने पर जताई नाराजगी

चमोली। माध्यमिक विद्यालयों में तैनात अतिथि शिक्षकों ने शीतकाल व ग्रीष्मकाल अवकाश का वेतन नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है। मंगलवार को अतिथि शिक्षक संघ के सदस्यों ने प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी से वार्ता कर अवकाश के वेतन का भुगतान नहीं होने पर बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी न करने की बात कही है। मंगलवार को अतिथि शिक्षिकों ने बैठक कर प्रभारी बीईओ योगेंद्र सेमवाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि अतिथि शिक्षकों को जनवरी 2025, जून 2025 व जनवरी 2026 के अवकाश में बच्चों का पढ़ाए जाने का वेतन नहीं मिला है। शिक्षकों ने शीघ्र समाधान नहीं होने पर विद्यालय संबंधी कार्य व बोर्ड परीक्षा का बहिष्कार की चेतावनी दी। बीईओं योगेंद्र सेमवाल ने बताया कि गेस्ट टीचरों को शैक्षणिक कार्य का ही भुगतान होना है। शीतकाल व ग्रीष्मकाल अवकाश में काम करने पर ही वेतन मिलेगा। इस बारे में संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य से रिपोर्ट मांगी जाएगी। ज्ञापन देने वालों में प्रदीप कुमार, केसी बिष्ट, बीना बिष्ट, रेखा नेगी, बलवंत सिंह, विनोद कुमार, प्रताप सिंह, जयबीर कुमार, दिनेश चंद्र, सुनील कुमार, दीपा रानी, सुरेंद रावत, भावना आदि शामिल थे।

शिविर में लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज रडुवा चांदनीखाल में जन–जन की सरकार–जन–जन के द्वार अभियान के तहत बहउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 60 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। सरकारी विभागों की ओर से शिविर में स्टॉल भी लगाए गए, जिसमें लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनता से सीधा संवाद किया। उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागाध्यक्षों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस मौके पर दर्जाधारी रामचंद्र गौड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष राधा रावत, रंजन सिंह, ग्राम प्रधान हरिकृष्ण प्रसाद, बीडीओ शिव सिंह, तहसीलदार जितेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

स्थानांतरण व पदोन्नति के लिए दिया धरना

चमोली। स्थानांतरण और पदोन्नति सहित अन्य मांगों के लिए लोनिवि मिनिस्ट्रीयल कर्मियों का कार्यबहिष्कार दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा। प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर लोनिवि निर्माण खंड थराली के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने विभागीय कार्यालय पर धरना दिया। कहा कि मांगों पर कार्रवाई न होने पर 13 फरवरी को देहरादून में विभागाध्यक्ष कार्यालय का घेराव व 18 फरवरी को सचिवालय कूच में भी थराली के कर्मी बढ़–चढ़कर भाग लेंगे।

सड़क पर चल रहे गैराज, जनता हो रही परेशान

कोटद्वार की सड़कों पर अव्यवस्था के कारण लगा जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम व स्थानीय प्रशासन का ध्यान केवल रेहड़ी-ठेली तक ही सीमित है। जबकि, सड़क पर संचालित हो रहे गैराज यातायात में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। गैराज के नाम पर वाहन सर्विस करने वाले आधे से अधिक सड़क पर कब्जा जमा कर बैठे हुए हैं। सड़क पर संचालित हो रहे गैराज को पूर्व में मोटर नगर में शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी। लेकिन, यह योजना आज तक धरातल पर रंग नहीं ला पाई। नतीजा, अव्यवस्थाओं के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

कोटद्वार की सड़कों पर करीब 70 से अधिक गैराज संचालित हो रहे हैं। इसमें से अधिकांश गैराज तो गैराज रोड पर ही संचालित हो रहे हैं। गैराज में मरम्मत के लिए आने वाले वाहनों को सड़क पर खड़ा किया जाता है। साथ ही सड़क पर ही मरम्मत का कार्य भी किया जाता है, जिससे पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही पैदल चलने वालों को भी दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति पटेल मार्ग व सिताबपुर-मानपुर मार्ग पर बनी रहती है। झंडाचौक-मानपुर-सिताबपुर मार्ग पर तो भारी वाहनों के साथ ही जेसीबी व पोकलेन की मशीनों की मरम्मत का कार्य सड़क पर ही चलता रहता है। पटेल मार्ग पर एक ओर दोपहिया वाहन मरम्मत व दूसरी ओर सड़क घेरे रेहड़ी-ठेली चुनौती बन रही है। पूर्व में शहरवासियों ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनने के लिए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से गुहार लगाई थी। लेकिन, आज तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

पूर्व में यह बनी थी योजना

एक दशक पहले तत्कालीन नगर पालिका ने सड़क किनारे संचालित हो रहे गैराज को मोटर नगर स्थित खाली दुकानों में शिफ्ट करने की व्यवस्था बनाई थी। उम्मीद थी कि इस योजना से गैराज संचालकों को भी एक स्थान मिल जाएगा और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। नगर पालिका ने लाखों की लागत से मोटर नगर में गैराज भी बनाए। लेकिन, सड़क किनारे चल रहे गैराज आज भी आमजन के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं।

विद्यार्थियों को बेहतर कैरियर की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज पाली लंगूर में विद्यार्थियां के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला में सीएचओ राधिका काला ने एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग व विभिन्न मेडिकल कोर्स के बारे में बताया। अर्चना घिल्डियाल ने बीएमएस, बीडीएस, एमबीबीएस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथि प्रवक्ता सीता खनका ने बच्चों को अग्निवीर, होटल मैनेजमेंट, एलएलबी, बीबीए के बारे में बताया। योना ध्यानी ने सेना के क्षेत्र में सीडीएस, एनडीए शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े करियर के बारे में बताया। शशि प्रसाद चमोली ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मेहनत करने वाले बच्चों को एकदिन अवश्य सफलता मिलती है। अपनी रुचि के अनुसार बच्चों को अपने कैरियर का चुनाव करना चाहिए। प्रवक्ता रेखा रावत ने बच्चों को अनुशासन व करियर के बारे में बताया। ताइक्वांटों प्रशिक्षक अनुष्का रावत ने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी अपना बेहतर करियर बना सकते हैं। प्रधानाचार्य अनूप डबराल ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से बच्चों को अपने बेहतर करियर की राह मिलती है।

शहर की समस्याओं का समय पर हो निराकरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने शहर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की मांग की है। कहा कि अतिक्रमण, अपराध सहित अन्य समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्याओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है। समस्या के संबंध में समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला के नेतृत्व में सदस्यों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। बताया कि कोटद्वार शहर में अतिक्रमण सबसे अधिक चुनौती बनता जा रहा है। सड़क पर सजी दुकान व स्थाई अतिक्रमण के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। राह चलते लोगों को हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। प्रशासन को अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही शहर में पैदल चलने के लिए फुटपाथ का निर्माण करवाया जाना चाहिए। शहर में लगातार बढ़ रहे कुत्तों व बंदरों के आतंक पर भी रोष व्यक्त किया गया। कहा कि आए दिन कुत्ते व बंदर लोगों को जख्मी कर रहे हैं। सबसे अधिक खतरा बच्चों व बुजुर्गों को बना हुआ है। शहर में मेडिकल कालेज के लिए चिह्नित भूमि को खननकारियों ने बर्बाद कर दिया है। ऐसे में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नशे के कारण बच्चों की जिंदगी बर्बाद हो रही है। ऐसे में पुलिस को नशे के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाने चाहिए। इस मौके पर जीके बड़थ्वाल, विजय माहेश्वरी, शशिमोहन उनियाल, कलावती बिष्ट, विपुल उनियाल आदि मौजूद रहे।

जन-जन की सरकार कार्यक्रम में धरने पर बैठे जनप्रतिनिधि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जन-जन की सरकार कार्यक्रम में हर घर नल-हर घर जल व पीएम आवास योजना में पात्रों को लाभ नहीं दिए जाने पर जनप्रतिनिधियों ने जमकर विरोध किया। कहा कि विभागों की मिली भगत से अपात्रों को लाभ और पात्रों को वंचित रखा जा रहा है। आक्रोशित जनप्रतिनिधि कार्यक्रम के दौरान ही धरने पर बैठ गए। सीडीओ गिरीश गुणवंत ने हर घर नल-हर घर जल योजना से जुड़ी शिकायतों पर जांच के आदेश दिए गए हैं। कहा कि पीएम आवास योजना को लेकर जैसे ही लक्ष्य बढ़ाने के लिए शासन से अतिरिक्त आवंटन प्राप्त होगा, सभी पात्रों को इससे लाभांवित किया जाएगा। बताया कि कार्यक्रम में करीब 49 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण किया गया। मंगलवार को विकासखंड मुख्यालय पाबौ में सीडीओ गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में कार्यक्रम पूर्व निर्धारित समय पर आयोजित हुआ। जरूरतमंदों को पीएम आवास योजना और हर घर नल योजना का लाभ नहीं मिलने पर कलुण सीट के जिपं सदस्य भरत रावत ने योजनाओं के क्रियान्वयन पर विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी पात्रों की फाइलों को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। सर्दियों में ही जल संस्थान पेयजल व्यवस्था सुचारु नहीं कर पा रहा है। ऐसे में गर्मियों में स्थिति और भी विकट होनी तय है। कार्यक्रम में समस्याओं का उचित समाधान नहीं होने से नाराज जनप्रतिनिधियों ने बैठक से वॉकआउट कर लिया। नाराज जनप्रतिनिधि बैठक कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज रावत ने कहा कि सरकारी कर्मचारी केवल योजनाओं का बखान कर वाहवाही लूट रहे हैं, जबकि धरातल पर कई योजनाएं दिखाई नहीं दे रही हैं। चेतावनी दी कि यदि अगली बीडीसी बैठक तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो अधिकारियों का उग्र विरोध किया जाएगा। इस मौके पर जिपं सदस्य कर्मवीर भंडारी, पूर्व प्रधान कुंज बिहारी पंत आदि मौजूद रहे।

लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर धरना जारी

कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत चिलरखाल चैक पोस्ट के समीप धरना देते क्षेत्रीय जन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर क्षेत्रवासियों का धरना 151वें दिन मंगलवार को भी जारी रहा। लोगों ने क्षेत्र के विकास को देखते हुए जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। प्रवीन थापा ने कहा कि जनता पिछले कई माह से मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। बावजदू सरकार मार्ग निर्माण की अनदेखी कर रही है। इससे पता चलता है कि सरकार जनता के हितों को लेकर गंभीर नहीं है। मार्ग निर्माण नहीं होने से आज भी जनता को देहरादून राजधानी जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से होकर जाना पड़ता है। यदि मार्ग निर्माण होता है तो इससे सुस्त पड़े सिडकुल की फैक्ट्रियों को भी संजीवनी मिलेगी। साथ ही इससे कण्वाश्रम का भी विकास होगा। युवाओं को रोजगार के लिए अन्य बड़े शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा। कहा कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में मार्ग निर्माण की पैरवी को लेकर लापरवाह बनी हुई है। ऐसे में जब तक मार्ग निर्माण नहीं होगा क्षेत्रीय जनता का धरना जारी रहेगा। इस मौके पर रविंद्र सिंह सौंद, मदन सिंह, नरेश धस्माना, कृपाल सिंह, जगत सिंह नेगी, उम्मेद भंडारी, पीतांबर कपटियाल, देवीदत्त, मोहन जोशी, गोवर्धन काला, रेखा देवी, दीपा अधिकारी, पुष्पा मेहरा आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाइसेन्स संख्या JK-1420100013931 में मेरा नाम राकेश मोहन सिंह (RAKESH MOHAN SINGH) अंकित है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम राकेश मोहन सिंह नेगी (RAKESH MOHAN SINGH NEGI) है। अतः मेरे ड्राईविंग लाइसेन्स संख्या JK-1420100013931 में मेरा सही व वास्तविक नाम राकेश मोहन सिंह नेगी (RAKESH MOHAN SINGH NEGI) लिखा, पढ़ा व समझा जाय।

राकेश मोहन सिंह नेगी पुत्र उमेद सिंह नेगी निवासी ग्राम लालपुर, पोस्ट ऑफिस पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1577/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की परीक्षा वर्ष 2023 में संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में सरस्वती विद्या मंदिर हाई स्कूल थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल से अनुक्रमांक 23059245 से उत्तीर्ण की। मेरा अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है।

हिमांशु ममगाईं पुत्र श्री बृजमोहन ममगाईं निवासी ग्राम कैंयूर, पट्टी चोपड़ाकोट, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1578/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे वाहन संख्या UK15 8716 की आर.सी. में मेरा नाम RAKESH MOHAN SINGH NEGII अंकित है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम RAKESH MOHAN SINGH NEGI है। अतः मेरे उपरोक्त वाहन की आरसी में मेरा सही व वास्तविक नाम RAKESH MOHAN SINGH NEGI लिखा, पढ़ा व समझा जाय।

राकेश मोहन सिंह नेगी पुत्र उमेद सिंह नेगी निवासी ग्राम लालपुर, पोस्ट ऑफिस पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1579/21)

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : 12वीं के विद्यार्थियों की विदाई के लिए मोटाढांग स्थित इंटरमीडिएट कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारियों के बारे में बताया। कहा कि विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अनुशासन के बारे में भी बताया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गढ़वाली-कुमाऊनी व हिंदी गीतों पर प्रस्तुति दी। इसके उपरांत अंशिका व दिशांत को स्टूडेंट आफ दि ईयर का खिताब दिया गया। साथ ही प्रियांशु कुकरेती व साहिल को दि ग्राउंड ब्रेकर व हिमांशु को मिस्टर फेयर वैल और वैष्णवी को मिस फेयर वैल चुना गया। जबकि, लीजेंट आफ दि ईयर प्रियांशु को चुना गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य महावीर सिंह बिष्ट सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

भाबर में नगर निगम की मिनी ब्रांच खोलने की मांग

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में मिनी निगम कार्यालय खोलने की मांग को लेकर महापौर को ज्ञापन देते भाबर वासी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए घमंडपुर वार्ड नंबर-29 के पार्षद ने भाबर में नगर निगम की मिनी ब्रांच खोलने की मांग की है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए जल्द से जल्द इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दौरान सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाने की मांग उठाई गई।

पार्षद अमित नेगी व अन्य लोगों ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन दिया। बताया कि भाबर क्षेत्र से नगर निगम कोटद्वार कई किलोमीटर दूर है। नगर निगम आवागमन में लोगों का पूरा दिन लग जाता है। ऐसे में वर्तमान में यहां नगर निगम की एक मिनी ब्रांच खोलने की आवश्यकता है। कहा कि इससे भाबर क्षेत्र के लोगों को कई किलोमीटर दूर कोटद्वार बाजार क्षेत्र के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। भाबर में ही उनकी छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण हो जाएगा। इससे भाबर क्षेत्र के निंबूचौड़, घमंडपुर, दुर्गापुर, शिवराजपुर, नंदपुर, दुर्गापुरी, उमरावनगर, मोटाढांक, किशनपुरी, सहित अन्य वार्ड के सैकड़ों लोगों को लाभ मिलेगा।

जलई गांव में भालू का हमला, महिला गंभीर घायल

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि विकासखंड के जलई गांव में मंगलवार को भालू के हमले से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को पहले जिला अस्पताल और बाद में श्रीनगर हायर सेंटर रेफर किया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे की है जब जलई गांव निवासी निशा देवी (60) अपने घर से नजदीकी जंगल में अन्य महिलाओं के साथ घास लेने गई थी।

झाड़ियों से निकलकर भालू ने उनपर हमला कर दिया। हमले के दौरान महिला ढलान पर लुढ़क गई। महिलाओं के शोर मचाने पर भालू जंगल की ओर भाग गया। महिला को ग्रामीणों ने सीएचसी अगस्त्यमुनि लाया गया जहां उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया। जिला अस्पताल में सर्जन न होने से उन्हें श्रीनगर गढ़वाल स्थित हायर सेंटर रेफर किया। महिला का फिलहाल उपचार चल रहा है। हमले में उनके कंधे, छाती और जांघ पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार जंगली जानवरों की सक्रियता बनी हुई है, बावजूद इसके वन विभाग इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। घटना पर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के जिला अध्यक्ष सूरत सिंह झिंकवाण ने कहा कि लगातार वन्यजीवों के हमले बढ़ रहे हैं लेकिन प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। यह हमला प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त, पिंजरे लगाने और वन्यजीवों को आबादी से दूर रखने के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की है।

विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के सिखाए गुर

कार्यक्रम में सांस्कृति प्रस्तुति देती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बेहतर परीक्षाओं की तैयारी के गुर सिखाए गए।

राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी व हिंदी सहित अन्य गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत प्रधानाचार्य नागेंद्र सिंह चौहान व डा. पदमेश बुड़ाकोटी ने बच्चों को परीक्षाओं की तैयारी के बारे में बताया। कहा कि विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। अपने विषय पर अच्छे से पकड़ बनाएं। हमारा ज्ञान केवल नंबर लाने तक ही सीमित न रहें। पढ़ाई का समय निर्धारित कर पूरी मेहनत करें। इस मौके पर शिक्षक मुकेश रावत, मनमोहन सिंह चौहान, दीपक नैटियाल, सीतांशु खुगशाल, डबल सिंह रावत, देवेंद्र कुमार रावत, नेत्रपाल सिंह, सरिता रौतेला, मनमोहन सिंह रौतेला, श्रीचंद्र तिवारी, संतोष नेगी, अनूप नेगी, जयकृत नेगी आदि मौजूद रहे।

DIRECTORATE GENERAL RESETTLEMENT
MINISTRY OF DEFENCE
JOB FAIR for EX-SERVICEMEN (ESM)
13 FEBRUARY 26 (7 AM Onwards)
VENUE : JASWANT SINGH GROUND
GARHI CANTT, DEHRADUN, UTTARAKHAND
Documents Required : ESM I-Card and 5 copies of Resume/Biodata

EX-SERVICEMEN : SKILLED, DISCIPLINED AND DEPENDABLE

Benefits for Industry Employers
- Free Online Registration
- Free Job Postings
- Free Allotment of Stalls
- Free Access to Resumes of ESM

What Employers Can Expect in Job Fair

Officers for Leadership roles & ESM for:-
- PSOs, Supervisors and Guards
- Drivers and Machinery Operators
- Chefs, Stewards and Hospitality roles
- Paramedical staff and Hospital Administration
- Fitters, Electricians and Technicians
- Artificers, Mechanics and Engine Operators
- Network and Telecom Engineers
- Surveyors and Draughtsmen
- Machinists, Welders and Artisans
- Automobile, Aviation & Weapon Technicians

For further details contact:
Jt Director, DRZ (W) - 9072632277, 0172-2554065 drzwdrz@desw.gov.in
Jt Director(SE), DGR - 011-20863432 sespasgr@desw.gov.in

In collaboration with ESMHire
Registration Open Now : www.esmhire.com

CBC 10401/11/0045/2526

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर किया सम्मानित

आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को सम्मानित करते शिक्षक व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एमकेवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने राज्य स्तरीय अंडर-19 बालिका मुख्यमंत्री वालीबाल चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन किया। जिसके बाद विद्यालय में पहुंची छात्राओं को सम्मानित किया गया।

विद्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुनीता नैथानी ने बताया कि कुछ दिन पूर्व देहरादून में बालिका मुख्यमंत्री वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा तराना रावत, अनुष्का रावत, तानिया रावत ने पौड़ी गढ़वाल की टीम से प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वालीबाल कोच सूरज रमोला ने बताया कि छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विपिन जदली आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	302-DRM-MB-25-26 dt. 09.02.2026
Name of Work	Provision of coping & VDC flooring at PF no. 6 & 7 of Moradabad railway station under ADEN/HQ/MB
Tender Closing Date & Time	05/03/2026
Advertised Value (Rs.)	1,38,34,412.97
Earnest Money (Rs.)	216200.00
Tender Cost (Rs)	00
Bidding Start Date	20/02/2026
Period of Completion	6 Months

No. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 09.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 450/26

संक्षिप्त समाचार

ज्योतिर्मठ को केंद्रीय सूची में शामिल करने की मांग

चमोली। ज्योतिर्मठ विकास खंड को केंद्रीय सूची में शामिल करने के लिए पैनखंडा विकास संघर्ष समिति ने आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। बताया इस संबंध में न्याय पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। सोमवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष भरत सिंह कुंवर ने कहा कि ज्योतिर्मठ विकास खंड को केंद्रीय सूची में शामिल न करने पर लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। इसके लिए समन्वयक समिति का गठन भी किया गया है। कहा, मुख्यमंत्री को अपनी मांग के संबंध में ज्ञापन भेजा जाएगा। इसके बाद 27 फरवरी को ज्योतिर्मठ में एक विशाल रैली आयोजित कर जन आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, प्रधान संगठन के अध्यक्ष मोहन बैजवाल, भगवती प्रसाद नंबूरी, राकेश भंडारी, कुशल कम्दी, अजीतपाल रावत, सुखदेव बिष्ट, समीर डिमरी, प्रवेश डिमरी, प्रकाश नेगी, जयप्रकाश भट्ट, बलवीर सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

देहरादून राज्य आमंत्रण फुटबाल प्रतियोगिता में विजयी

चमोली। जूनियर बालक वर्ग की तीन दिवसीय राज्य आमंत्रण फुटबाल प्रतियोगिता का खिताब देहरादून की टीम ने कब्जा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन देहरादून ने टिहरी को 3–0 अंकों से पराजित किया। नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत और जिला खेल अधिकारी पौड़ी जयवीर सिंह रावत ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। मंगलवार को पहले सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित हुए। प्रथम सेमीफाइनल मुकाबला देहरादून और कोटद्वार के बीच खेला गया। देहरादून ने 3–0 से मैच जीत लिया। टीम के खिलाड़ी हिमांशु ने एक व कार्तिक ने दो गोल दागे। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला टिहरी और चंपावत के बीच खेला गया। इसमें टिहरी की टीम ने 6–4 अंकों से मैच कब्जा लिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के एक–एक गोल होने से पैनाल्टी शूट के माध्यम से टिहरी की ओर से अभिषेक, अक्षित, धनंजय, सूजल और एक अन्य खिलाड़ी ने एक–एक गोल मारे। चंपावत की ओर से आशीष, आयुष, यश और नैतिक ने एक–एक गोल किए।

इसके बाद देहरादून और टिहरी की टीम के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। इसमें देहरादून ने कड़े मुकाबले में 3–0 अंकों के साथ मैच कब्जा लिया। देहरादून की ओर से कार्तिक ने 48वें व 60वें मिनट में दो गोल मारे। अनुज ने 61वें मिनट में एक गोल मारकर टीम को जीत दिला दी।

एन.आई.सी. द्वारा सेफर इंटरनेट डे–2026 का आयोजन

देहरादून। एनआईसी उत्तराखंड द्वारा विद्यालयी शिक्षा निदेशालय के सहयोग से दिनांक 10 फरवरी 2026 को देहरादून में विभिन्न राजकीय विद्यालयों में सेफर इंटरनेट डे का आयोजन किया गया। इस विषय पर राज्य सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य प्रतिभागियों को साइबर क्राइम तथा साइबर जागरूकता के बारे में अवगत कराया गया । इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रायः हो रहे अनलाइन फ्रॉड एवं ए.आई. का दुरुपयोग जैसे डीपफेक एवं अन्य प्रकार के फ्रॉड से समाज को सुरक्षित करने की जागरूकता फैलाना है । इस संबंध में स्वयं तथा परिजनों को जागरूक करने की आवश्यकता है । भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सेफर इंटरनेट डे का आयोजन किया जाता है । इसका उद्देश्य डिजिटल दुनिया में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ट नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर इंटरनेट वातावरण को बढ़ावा देना है। यह एक अंतरराष्ट्रीय जागरूकता अभियान है जो जिम्मेदार और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार को प्रोत्साहित करता है।

उत्तराखंड से छीनी गई रणजी सेमीफाइनल की मेजबानी

देहरादून। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच की मेजबानी उत्तराखंड से छीन ली गई है।

बीसीसीआई के पिच क्यूरेटर राकेश कुमार द्वारा देहरादून के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के निरीक्षण में पिच व मैदान की हालत खराब पाई गई, जिसके बाद मैच को उत्तर प्रदेश शिफ्ट करने का फैसला लिया गया। अब मुकाबला इकाना स्टेडियम, लखनऊ या ग्रीन पार्क, कानपुर में कराया जाएगा। मेजबानी छिनने से खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में निराशा है। उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन ने फैसले पर खेद जताते हुए स्टेडियम को शीघ्र अपग्रेड करने की बात कही है।

अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी जनता तक सटीक सूचनाएं पहुंचाना : डीएम

जिलाधिकारी ने किया तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी के विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया गया। डॉ. रघुनंदन सिंह टोलिया प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता एवं कौशल में वृद्धि करना है। जिलाधिकारी ने सूचना के अधिकार को सुशासन का मुख्य आधार बताते हुए समस्त लोक सूचना अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों का गहन अध्ययन करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारी आमजन और शासन के बीच एक संवेदनशील सेतु हैं, जिनकी नैतिक जिम्मेदारी जनता तक सटीक सूचनाएं पहुंचाना है। कार्यशाला के पहले दिन सूचना के अधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता और कार्मिकों की शत-प्रतिशत भागीदारी पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीखने की प्रक्रिया को संवादमूलक और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिभागियों को खुली परिचर्चा एवं फीडबैक के माध्यम से सक्रिय योगदान देना चाहिए। जिलाधिकारी के अनुसार, प्रशासनिक नियमों और प्रक्रियाओं की गहरी समझ केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सुशासन की आधारशिला है। जब कार्मिक अपनी प्रतिदिन की कार्यप्रणाली की बारीकियों से अवगत होते हैं, तभी सरकारी कार्यों में आने वाली जटिलताओं का समाधान संभव है और शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं जनहितैषी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अकादमी के अपर कार्यक्रम निदेशक अनूप बमोला ने आगामी तीन दिनों की रूपरेखा साझा की। उन्होंने जानकारी दी कि अकादमी वर्तमान में हर जिले में अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है, ताकि ग्राउंड लेवल पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके कार्य से संबंधित प्रासंगिक विषयों की जानकारी दी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण को पूरी तरह संवादात्मक रखा गया है ताकि व्यावहारिक समस्याओं का समाधान मौके पर ही तलाशा जा सके। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ आरटीआई राजेश देवली, पीडी विवेक उपाध्याय, डीएसटीओ राम सलोने, अपर पशु चिकित्साधिकारी नंदन सिंह आगरी, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार, एआरटीओ एन के ओझा, एडीपीआरओ प्रदीप सुंदरियाल सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घोड़े–खच्चरों के पंजीकरण के लिए सीएम का भेजा ज्ञापन

चमोली। वर्ष 2026 की केदारनाथ यात्रा के लिए चमोली जनपद के घोड़ा–खच्चर संचालकों ने यात्रा पंजीकरण करने की मांग उठाई है। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। सामाजिक कार्यकर्ता भरत सिंह, राकेश सैंजवाल, प्रदीप बर्त्वाल आदि ने ज्ञापन में कहा कि घोड़ा संचालकों ने मुख्यमंत्री से जनपद से 1000 घोड़े–खच्चर सवारियों व 500 खच्चर माल ढुलान के लिए पंजीकृत कराने की मांग की है। कहा, इस वर्ष भी संचालक स्वरोजगार के लिए अपने घोड़े–खच्चरों के साथ यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके लिए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग की ओर से पंजीकरण कराया जा रहा है। कहा, पिछले तीन साल से रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन संचालकों का पंजीकरण नहीं करा रहा है जबकि प्रतिवर्ष संचालक प्रतिवर्ष अपने घोड़े–खच्चरों के साथ गौरीकुंड और सोनप्रयाग पहुंचते हैं। उन्हें इससे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। घोड़े–खच्चरों की स्वास्थ्य जांच के लिए आयोजित होंगे शिविरः गोपेश्वर। आगामी केदारनाथ और हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए पशुपालन विभाग घोड़े–खच्चरों की स्वास्थ्य जांच, पशुधन बीमा, ग्लैंडर्स व इक्वाइन इंफ्ल्यूंजा रोग की निगरानी के लिए विभिन्न जगहों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. असीम देव ने बताया कि शिविर 23 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होंगे। ज्योतिर्मठ के अंतर्गत करछी, तुगासी व करछों में 23 से 26 फरवरी, थैंग में 27 फरवरी, चांई में एक मार्च, सलूड़–डुंगरा में छह मार्च, उर्गम व कलगोठ में सात मार्च, पल्ला जखोला में नौ मार्च, ईराणी में 23 फरवरी, पगना में 25, निजमुला में 26, सैंजी में 27, पीपलकोटी में एक मार्च, बिरही में 6 मार्च, मैठाणा में सात मार्च, कनोल में 23 फरवरी, पल्टिंगधार में 24, घूनी में 25, सितेल में 26, ल्वाणी में 27, पगना में एक मार्च, भेंटी में 6 मार्च, बांजबगड़ में 7 मार्च, सेरा में नौ मार्च, सेमा में 10 मार्च, कांडई में 11 मार्च व बूरा में 12 मार्च को स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे।

आज औली पहुंचेंगे खिलाड़ी, अभ्यास के लिए नया स्लोप किया तैयार

चमोली। औली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप के लिए आयोजन समिति की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आज सभी राज्यों की टीमें औली पहुंच जाएंगी। आगामी 12 फरवरी से स्कीइंग की प्रतियोगिताएं शुरू की जाएंगी। आयोजकों ने मंगलवार को चैंपियनशिप के लिए तैयार किए गए दोनों स्लोप का स्थलीय निरीक्षण किया। चैंपियनशिप तक स्लोप पर पर्याप्त बर्फ जमीं रहे, इसके लिए यहां पर्यटकों और आम लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित की गई है। बाहर से आने वाले स्कीयरों के लिए एक अन्य स्लोप अभ्यास के लिए तैयार किया गया है। औली में 12 से 16 फरवरी तक विंटर कॉर्निवाल के साथ ही राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप का आयोजन प्रस्तावित है। विंटर गेम्स फेडरेशन ऑफ उत्तराखंड के सचिव राकेशा रंजन भिलंगवाल ने बताया कि स्कीइंग चैंपियनशिप की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बाहरी राज्यों के खिलाड़ियों को ठहरने की व्यवस्था गढ़वाल मंगल विकास निगम (जीएमवीएन) में की गई है। निजी होटलों में भी खिलाड़ियों के लिए व्यवस्था की गई है। औली में चैंपियनशिप के लिए तैयार किए गए दोनों स्लोप को नेट फिटिंग कर तैयार कर लिया गया है।

छात्रों को उनके अधिकारों की जानकारी दी

चमोली। अखिल भारतीय बचाव एवं पुनर्वास अभियान के तहत दशोली ब्लॉक के जीआई डुंगरी मैकोट व सावरीसैंण में बाल कल्याण समिति की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र कुनियाल, सदस्य राकेश, अनीता सेमवाल, ममता भट्ट व लक्ष्मी बोरा ने बाल श्रम कानून व बाल अधिकार की जानकारी दी। साथ ही बच्चों की देखभाल, संरक्षण, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, स्पॉन्सरशिप योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, बाल विवाह व मानव तस्करी से सुरक्षित रहने की जानकारी दी। इस दौरान रजनी, कविता, कुसुमलत व सोनी भंडारी ने सखी वन स्टॉप सेंटर की जानकारी दी। इस मौके पर चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक राजीव नौटियाल, बाल संरक्षण इकाई के प्रवेश नेगी, श्रम अधिकारी तन्मय पंत, शुभम, राहुल बिष्ट आदि मौजूद रहे।

अधिकारी और कर्मचारियों को दी गई सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी

एनआईसी ने सेफर इंटरनेट डे पर आयोजित की कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) चमोली की ओर से मंगलवार को ह्यसेफर इंटरनेट डेह्व के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम कार्यशाला आयोजित किया। इस दौरान विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का आयोजन ह्यस्मार्ट टैक, सेफ चॉयसेस एक्सप्लोरिंग द सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल यूस ऑफ एआईह्व की थीम पर किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुशीला ने फिशिंग वेबसाइट्स, ओटीपी/यूपीआई फ्रॉड, ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी, क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स से जुड़े जोखिम, फर्जी कॉल एवं ऑनलाइन स्कैम, एआई के दुरुपयोग एवं डीपफेक जैसी चुनौतियों, प्राइवेसी एवं डेटा सुरक्षा संबंधी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विशेष चंद्र ने कार्यशाला में सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने टू-वे ऑथेंटिकेशन का प्रयोग, संदिग्ध लिंक एवं क्यूआर कोड से सावधानी, सार्वजनिक वाईफाई के उपयोग से बचाव, समय-समय पर सॉफ्टवेयर एवं बैंकिंग ऐप अपडेट करना, साइबर हाइजीन कोर्स एवं ऑनलाइन सेफ्टी प्रशिक्षण लेना फैक्ट चेकिंग एवं डिजिटल सतर्कता को लेकर जानकारी दी। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जयवीर सिंह, विमल सिंह, प्रीति सती, अजय बिष्ट, विनय जोशी, शिवराज सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दोनों मंडलों में होगा बहुउद्देशीय भवन/सामुदायिक भवन का निर्माण

सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के दोनों मंडलों में उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण बहुउद्देशीय भवन/सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा इन भवनों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित भवनों में बैंकट हॉल, गेस्ट हाउस, सभागार, प्रशिक्षण कक्ष, बैठक कक्ष एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को बहुउद्देशीय भवन की डीपीआर शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएं, जिससे योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंच सके। कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ओबीसी वर्ग के उत्थान हेतु शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर उत्तराखंड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव श्रीधर बाबू अदांकी, अपर सचिव नवनीत पांडे, अपर सचिव संदीप तिवारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एमएस रावत बनाए गए पड़ाव समिति के संयोजक

चमोली। श्रीनंदा देवी राजजात के संबंध में नौटी में ग्रामीणों व पड़ाव समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में तैयारियों के लिए एमएस रावत को पड़ाव समिति का संयोजक मनोनीत किया गया।

साथ ही यात्रा में शामिल होने वाली छंतोलियों के साथ चलने वाले लोगों का आईडी कार्ड बनाने और सभी पड़ावों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई। मंगलवार को लोनिवि विश्राम गृह में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने राजजात से पूर्व मार्गों की मरम्मत, देवडोलियां और छंतोलियों को ले जाने वाले ग्रामीण एक ड्रेस में होने, छंतोलियों के साथ अन्य लोगों के प्रवेश पर रोक आदि पर चर्चा की गई। बैठक में समिति के महासचिव भुवन नौटियाल, कुलदीप सिंह नेगी, पवन रावत, हेमा देवी, कर्ण सिंह कोहली, पृथ्वी सिंह आदि मौजूद थे।

लकड़ी के फट्टों से कर रहे गदेरा पार

उत्तरकाशी। ग्राम पंचायत सिरी के अनुसूचित जाति बाहुल्य गांव ढुंग का पुल जलकुर गदेरे में आई आपदा में बह गया था। स्थिति यह है कि ग्रामीण लकड़ी के फट्टे बिछाकर गदेरा आरपार करने के लिए मजबूर हैं।

इसके अलावा गांव की पेयजल लाइनों के साथ नहर क्षतिग्रस्त हैं लेकिन उनके समाधान के लिए जिला प्रशासन की ओर से अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। डुंडा विकासखंड के सिरी ग्राम पंचायत के ढुंग गांव के शांतिलाल, सुरेंद्र लाल, बैशाखू लाल आदि का कहना है कि उनके गांव में अनुसूचित जाति के कारण 60 परिवार निवास करते हैं। लोग गत वर्ष आई आपदा के बाद से भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। वर्ष 2024 में गांव के समीप से बहने वाली नदी में बाढ़ आने के कारण गांव के पैदल मार्ग सहित पुल आदि क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके साथ ही पाइपलाइन और नहरें भी क्षतिग्रस्त हो गए थे। गांव को जोड़ने वाला मुख्य पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। उससे हर दिन ग्रामीण और स्कूली बच्चे आवाजाही करते हैं। जब प्रशासन की ओर से सुनवाई नहीं हुई तो उसके बाद ग्रामीणों ने स्वयं ही वहां पर लकड़ी के फट्टे बिछाकर अस्थायी पुलिया बनाकर आवाजाही शुरू करवाई लेकिन उस पर भी आवाजाही में खतरा बना रहता है। साथ ही पैदल मार्गों की स्थिति भी खराब बनी हुई है। शांतिलाल ने बताया कि पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त होने के बाद ग्रामीणों ने स्वयं ही आपूर्ति पूरी करने के लिए अस्थायी व्यवस्था की।

कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है एआई, दुरुपयोग से बचना जरूरी

चमोली। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की ओर से मंगलवार को सेफर इंटरनेट डे के मौके पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग व डिजिटल जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने कहा, एआई का सही उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा व कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकता है लेकिन इसके दुरुपयोग से बचना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला में अधिकारी, कर्मचारियों के साथ ही छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुशीला न फिशिंग वेबसाइट्स, ओटीपी, यूपीआई फ्रॉड,ऑनलाइन स्कैम, एआई के दुरुपयोग व डीपफेक जैसी चुनौतियों की जानकारी दी। अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विशेष चंद्र ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने एवं 1930 हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी दी गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, ई–डिस्ट्रिक मैनेजर जयवीर सिंह, विमल सिंह,शिवराज सिंह आदि मौजूद रहे।

यमुनोत्री धाम में कुली एजेंसी को लेकर होगी बैठक

उत्तरकाशी। चारधाम के पहले प्रमुख तीर्थ धाम यमुनोत्री की कुली एजेंसी को लेकर जिला पंचायत सामूहिक और सर्वदलीय बैठक होगी। फरवरी के अंत में बैठक कर जिला पंचायत एजेंसी को लेकर जनहित में अपना निर्णय लेने का प्रयास करेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान का कहना है कि खांई क्षेत्र के पौराणिक धार्मिक महत्व की कुंड की जातर गंगानी मेले के बाद फरवरी के अंतिम सप्ताह में यमुनोत्री यात्रा से जुड़े हुए लोगों के पुरोहित समाज के साथ क्षेत्र सभी दलों जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित कर क्षेत्र में कुली एजेंसी को लेकर खुली चौपाल आयोजित कर चर्चा और सुझाव के बाद जनहित और जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जानकीचट्टी, यमुनोत्री धाम सहित यमुनोत्री पैदल मार्ग चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर जिला पंचायत की टीम ने स्थलीय निरीक्षण कर आगे की प्लानिंग तेज की है।

बहुउद्देशीय शिविर में 55 शिकायतें दर्ज, 49 का मौके पर निस्तारण

किल्बौखाल न्याय पंचायत में लगा बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जन जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड रिखणीखाल की न्याय पंचायत किल्बौखाल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 55 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 49 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। वहीं 138 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया गया। शिविर में कुल 538 लोगों ने प्रतिभाग किया।

शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य ने की। उन्होंने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई मामलों का समाधान मौके पर ही कराया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस पहल से आम जनमानस को एक ही स्थान पर विभागीय सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में प्रतिभाग कर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं और योजनाओं का लाभ लें। उपजिलाधिकारी ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी देवेश पंत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

फाइलों में कैद चाका–सिलोड़ा की सड़क

– लोनिवि ने दो बार किया सर्वे, अब पीएमजीएसवाई को मिली जिम्मेदारी

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक में मुखमाल गांव का चाका और सिलोड़ा गांव सड़क से नहीं जुड़ पाया है जिससे गांव में निवास कर रहे लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि लोनिवि पांच किमी सड़क के लिए दो बार की सर्वे के अलावा कुछ काम नहीं कर पाया है जिससे ग्रामीणों के सामने ढाई–तीन किमी पैदल नापने की मजबूरी बनी है। उपली रमोली में चाका और सिलोड़ा के लोग लंबे समय से पांच किमी सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं लेकिन विभाग सर्वे के अलावा कोई काम नहीं कर पाया है। जिससे चाका गांव की 300 और सिलोड़ा गांव की 350 की आबादी पैदल नापने को मजबूर हैं। कंडियालगांव की जिला पंचायत सदस्य विजय देवी पंवार ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि गांव तक सड़क नहीं पहुंचने के कारण किसी के बीमार होने और वजनी सामान घर पहुंचाने के लिए खासी मशक्कत उठानी पड़ रही है।

इंटर में पढ़ रहे गांव के छात्र–छात्राओं को जंगल के रास्ते करीब पांच किमी जंगली जानवरों के भय के साए में पैदल आवागमन करना पड़ रहा है। रविंद्र पंवार ने बताया कि लोनिवि ने 2017 व 2019 में सौंदगाड चाका से सिलोड़ा सड़क के लिए सर्वे किया था लेकिन उसके बाद भी कार्यवाही ठप पड़ी है। गांव के किशन सिंह राणा, सुभाष सिंह राणा, अर्जुन सिंह राणा, कुंदना देवी, उर्मिला देवी, बिजला देवी और छुमना देवी ने गांव को शीघ्र ही सड़क से जोड़ने की मांग की है। बताया गया कि रोड का प्रस्ताव पीएमजीएसवाई को भेजा गया है। डीएम नितिका खंडेलवाल ने संबंधित विभाग को शीघ्र सर्वे शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

चाका–सिलोड़ा रोड का प्रस्ताव हमारे पास आ गया है। इसी माह रोड का सर्वे कार्य शुरू कर दिया जाएगा। सड़क में आ रही वन भूमि की एनओसी मिलने में समय लगेगा। सब कार्य समय से निपटता है तो अक्तूबर–नवंबर माह निविदा लगाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

– अविनाश कुमार सैनी, ईई पीएमजीएसवाई नई टिहरी।

केंद्रीय बजट को लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा ने किया श्रमिक संवाद

उत्तरकाशी। केंद्रीय बजट को लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तरकाशी की ओर से श्रमिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रमिकों और आमजन को केंद्रीय बजट 2026 की प्रमुख योजनाओं व प्रावधानों एवं लाभों की जानकारी दी गई। बैठक में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम डोभाल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 देश के श्रमिक वर्ग, किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने वाला बजट है। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मीडिया सह–संयोजक सुनील भंडारी ने कहा कि केंद्र सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। वहीं, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चमन सिंह ने कहा कि बजट समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष नीलांबर चौहान ने सभी कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने में मदद मिलती है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव रावत, गोविंद राम नौटियाल, व्यापार मंडल पूर्व अध्यक्ष बृजमोहन चौहान, महिला मोर्चा की जिला मंत्री रामप्यारी रतूड़ी मौजूद रहे।

प्रवक्ता का वेतन डामटा से और ड्यूटी निदेशालय में

उत्तरकाशी। महानिदेशालय के शिक्षा समीक्षा केंद्र में कार्ययोजित जीआईसी डामटा में तैनात राजनीति विज्ञान की प्रवक्ता की जल्द मूल विद्यालय में तैनाती नहीं होने पर क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। जिलाधिकारी को लिखे पत्र में अध्यापिका के विधिवत ट्रांसफर नहीं होने तक वेतन रोकने की मांग की है। शिक्षक अभिभावक संघ के प्रस्ताव पर प्रधानाचार्य की ओर से अध्यापिका के वेतन रोकने के नोटिस और जनप्रतिनिधियों की ओर से अध्यापिका की मूल विद्यालय में वापसी के लिए दो बार मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत पर राजनैतिक संरक्षण की वजह से कार्यवाही न होने से प्रतिनिधियों में आक्रोश है। डामटा में राजनीति विज्ञान की प्रवक्ता प्रियंका तोमर को दिसम्बर 2024 में शिक्षा समीक्षा केंद्र महानिदेशालय में कार्ययोजित किया गया जबकि अध्यापिका का वेतन मूल विद्यालय डामटा से निकल रहा है। उनके कार्ययोजित होने के बाद से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई कर रहे 11वीं व 12वीं के 165 छात्रों की पढ़ाई की व्यवस्था दूसरे विषय के अध्यापक को दी गई है। 14 माह से विषय अध्यापक नहीं होने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पीटीए अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह ने बताया कि जन–जन की सरकार कार्यक्रम के दौरान भी अध्यापिका के खिलाफ शिकायत हुई है। कार्यवाही के लिए उच्चाधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जा रही है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com